राज
षड्यंत्र
सुपर कमांडो ध्रुव
एक ट्रेडिंग कार्ड मुफ्त
Vinod Yadav

लेकिन उस वक्त यह किसी को भी आभास नहीं था, कि दो साल बाद जमीन में धंसी वस्तु एक बार फिर उभरेगी और टकराएगी ध्रुव से। जब ध्रुव के खिलाफ रचा जाएगा एक कुटिल --

षड्यंत्र

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार, विट्ठल कांबले
सुलेख एवं रंग : सुनील पाण्डेय
सम्पादक : मनीष गुप्ता

☆ विस्तार से जानने के लिए पढ़ें 'अंधी मौत'

राजनगर- जिसका अपराध जगत यानी अंडरवर्ल्ड कभी भय से कांपता और थरथराता रहता था-
आज उसमें खुशी की लहर दौड़ रही है-
चियर्स!
ये जाम, हमारी कामयाबी के नाम।
कामयाबी तो अब मिलकर ही रहेगी, केशी! क्योंकि जिस व्यक्ति ने हमारी सारी गतिविधियों को लगभग बन्द कर दिया था, अब वही राजनगर से दूर जा रहा है।
सिर्फ राजनगर से दूर नहीं चचेरे! इस पृथ्वी से भी दूर जा रहा है। अन्तरिक्ष में जा रहा है।
भगवान करे, वह अंतरिक्ष में ही घूमता रह जाए। वापस ही न आ पाए।
आमीन!★
वैसे भी अगर वह वापस आया भी तो कम से कम दस दिन बाद ही आएगा। और इन दस दिनों में तो हम राजनगर को मोजे की तरह पलटकर रख देंगे।
भगवान करे, हमारी ये मुसीबत हमेशा के लिए दूर हो जाए!
एक और जाम, हमारे दुश्मन सुपर कमांडो ध्रुव की मौत के नाम!
केशी और चचेरे की दुआ सही होने के बजाय फिलहाल उल्टा असर दिखा रही थी-

★आमीन-'ऐसा ही हो'

क्योंकि 'ध्रुव' नाम की मुसीबत उनसे दूर जाने के बजाय उनके पास आ रही थी-
पास...
...और पास-
तड़.
और फिर- सामने-
सुपर कमांडो ध्रुव यहां पर!
तड़ाक
कितनी बार कहा है केशी कि रात-बिरात शैतान की बातें मत किया कर। याद किया और हाजिर हो गया शैतान!
घबरा मत यारों। इसके पास हमारे खिलाफ कोई सबूत नहीं है। यह हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता!
सच है केशी! फिलहाल मेरे पास तुम्हारे खिलाफ सबूत नहीं है...
लेकिन मैं जानता हूं कि बार्को के मरने के बाद तुम राजनगर के सबसे बड़े माफिया डॉन बन गए हो। और इसीलिए मैं तुम्हारे पास आया हूं।★
ओह! यानी तुमको भी केशी की मदद की जरूरत पड़ ही गई। बोलो!

★ बार्को और ...

मैं अगले कुछ दिनों तक राजनगर में नहीं रहूँगा। और अगर उन दिनों में या रातों में राजनगर में कोई भी अपराध हुआ, किसी की चैन तक खींची गई तो मैं पुलिस के पास नहीं, तुम्हारे पास आऊँगा। क्योंकि राजनगर का हर छोटा-बड़ा लफंगा, आजकल तुम्हारे इशारों पर ही नाचता है।...
...और अगर ऐसा हुआ तो मैं न तो तुमको पुलिस स्टेशन ले जाऊँगा, और न ही अदालत...
...सारा मामला यहीं पर निबटा दूँगा।
उम्मीद है कि तुमसे दुबारा मुलाकात की जरूरत नहीं पड़ेगी।
लेकिन ध्रुव यह नहीं जानता था कि राजनगर में एक ऐसा अपराधी आने वाला है, जिस पर केशी का जोर चलने वाला नहीं था-
यह बिन बुलाया मेहमान आने वाला था, नारका जेल से-
और उसका नाम था-
नारका जेल के इन मूर्ख गार्डों को इनका भविष्य बता-बताकर मैंने इनको यह कंप्यूटर लगाने को राजी कर लिया है। ये समझते हैं कि इस पर मैं इनका कंप्यूटराइज्ड भविष्य बताऊँगा...
...लेकिन इस कंप्यूटर से मुझे कुछ और ही काम है।...
...अब मुझे इंतजार है उन रत्नों का, जो अब मेरे पास...

—आते ही होंगे।
नास्त्रेदमस। मैं वे रत्नों वाली अंगूठियां ले आया हूं। जो तुमने मुझे पहनने को कही थीं। तुमने कहा था कि तुम इन रत्नों को चेक करके मुझे बता दोगी कि ये ठीक हैं या नहीं।
जरूर! लाओ अंगूठियां!
ये लो!
अब तुम मेरे पास कल सुबह आना। रात में इन रत्नों की क्वालिटी को जांच पाना बहुत मुश्किल है।
ठीक है, नास्त्रेदमस!
मैं सुबह आऊंगा।
लेकिन सुबह तक मैं यहां पर नहीं मिलूंगा, मूर्ख। अगर तू मेरी फाइल ध्यान से पढ़ता तो जान जाता कि नास्त्रेदमस इन रत्नों के जरिए ग्रहों से आने वाली किरणों को सोखता है।...
...और फिर एक खास एम्पलिफायर के जरिए उन किरणों को घातक स्तर का बना देता है।
और आज मैं ऐसा ही एक एम्पलिफायर बनाऊंगा, इस कंप्यूटर सिस्टम के पुर्जों से।

नास्त्रेदमस को स्पलिफायर बनाने में लगभग तीन घंटे का समय लगा–
काम पूरा हो गया। इस कंप्यूटर ने और किसी का भविष्य चाहे न बनाया हो, लेकिन मेरा तो बना दिया।
अब नास्त्रेदमस को आजाद होने से कोई नहीं रोक सकता।
सबसे पहले बुध ग्रह की गर्म सतह की गर्मी से इन सलाखों को पिघलाया जाए...
आ गए! और मेरे पास सिर्फ एक ही घातक हथियार है...
...मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच घूम रही 'एस्ट्रॉयड बेल्ट' की चट्टानों के टुकड़े।
...और फिर... ओह!...
...सलाखों के पिघलते ही अलार्म बज उठा। बुरा हुआ।
वो रहा!
चट्टानों के वारों ने गार्डों को वहीं पर रोक दिया–
मैं किसी का नुकसान करना नहीं चाहता था...
...लेकिन अब तो मजबूरी है। गॉर्ड आते ही होंगे।

लेकिन नारका जेल की सुरक्षा-व्यवस्था बहुत मजबूत थी-
मेरे पीछे से भी गॉर्ड आ रहे हैं। जल्दी ही ये गलियारा गॉर्डों से भर जाएगा। मैं बिना वजह इनको नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता।
इसलिए मैं खुद ही यहां से गायब होने का इंतजाम करता हूं।--
--शुक्र ग्रह के घने बादलों की मदद से।
और फिर गाढ़े बादलों ने कॉरीडोर को पूरी तरह से घेर लिया-
हाथ को हाथ सुझाई देना भी बन्द हो गया-
और बादल छंटने से पहले ही-
नास्त्रेदमस नारका जेल से बाहर निकल चुका था-
बुध ग्रह की ठंडी सतह से आती किरणों की मदद से मैं हवा में मौजूद जल कणों को जमाते हुए अपने लिए भागने का रास्ता तैयार कर सकता हूं।...
...अब मैं सीधा राजनगर जाकर ही रुकूंगा। और सबसे पहले सुपर नोवा को सजा दूंगा, उसकी धोखेबाजी की।...
नास्त्रेदमस का शरीर घने बादलों के बीच में घिरने लगा-
...और फिर निबटूंगा उस दुष्ट डॉक्टर साहा से।...
...जिसकी वजह से मुझे नारका जेल की सैर करनी पड़ी।

★ रिचा ही ब्लैककैट है, जो 'राजनगर की तबाही' में नागराज की विषफुंकार से बेहोश हो गई थी। तब से किसी को भी उसका पता नहीं मिला है।

☆ कास्त्रेवमस पहले एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक था, और डॉक्टर साहा के स्टाफ में ही काम करता था–

है। तुम कंप्यूटर पर क्या कर रहे हो? हटो वहाँ से!
जा रहा हूँ। इस पर धूल जम गई थी। साफ कर रहा था।
PROHIBITED AR
अब सवाल यह है कि डॉक्टर साहा की पोल कैसे खोली जाए! मैं खुद तो आ नहीं सकता। क्योंकि इस वक्त पूरे देश की पुलिस मेरी ही तलाश कर रही होगी।...
...अब मैं डॉक्टर साहा पर उसके अपने हथियार से ही हमला करूँगा।...
...मैं सुपर कमांडो ध्रुव को फोन करता हूँ। एक गुमनाम फोन कॉल।
अगले दिन - राजनगर के व्यवसायिक बन्दरगाह पर-
संभालकर माल उतारना...
का माल है ये। बहुत कीमती भी है।
ZIVAGO
माल उतारने की प्रक्रिया की, कैप्टेन के अलावा कोई और भी ध्यान से निगरानी कर रहा था-
यह 'कोई और' था...
...सुपर कमांडो ध्रुव-
मुझे जिसने भी गुमनाम कॉल करके सूचना दी थी, उसकी पहली बात तो सही निकली। रॉकेट के पुर्जे 'जिवागो' शिप पर ही राजनगर आए हैं...
...और मुझे उसकी दूसरी सूचना भी सच लगती है।...

...क्योंकि वह कुली जिस आसानी से उस कंटेनर को उठा रहा है।...
धम्म
...उसे देखकर साफ पता लगता है।...
...कि ये कंटेनर...
...खाली है।
हे! कौन हो तुम?
वह गुमनाम फोन कॉल एकदम सही थी। ये सारे के सारे कंटेनर खाली हैं।
हे मिस्टर! मैंने पूछा कौन हो तुम?

यह तो तुमको पता चल ही जाएगा कि मैं कौन हूं। लेकिन पहले ये बताओ कि इन कंटेनरों में भरे रॉकेट के पुर्जे कहां गए?
इससे तुम्हारा कोई मतलब नहीं है। ये सरकारी मामला है। इसमें अगर तुम अपनी टांग अड़ाओगे, तो, तुम्हारी टांग तोड़ दी जाएगी।
तुम जैसे लोगों के मामले में टांग अड़ाना तो मेरी पुरानी आदत है।
तो फिर तुम्हारी गर्दन को तोड़ना, ज्यादा ठीक रहेगा।...
...इसकी गर्दन को तोड़कर इसकी लाश को पानी में फेंक दो!
कैप्टेन का आदेश पाते ही, सभी माल उठा लेने वाले मजदूर ध्रुव की तरफ लपके-
और ध्रुव का सिर, लोहे जैसी मजबूत भुजाओं के शिकंजे में कस गया-
आह!
इस शिकंजे से अपनी गर्दन को छुड़ा पाना असंभव काम लगता है।...
...अब एक ही रास्ता है! यह जैसे ही मेरी गर्दन को तोड़ने के लिए, मेरे सिर को घुमाएगा...
...मैं उसी पल अपने शरीर को भी उसी दिशा में घुमाऊंगा...
धाड़
...और फिर ये बेहोश हो जाएगा-
...और मैं आजाद!

ध्रुव के आज़ाद होते ही बाकी दो कुली भी ध्रुव की तरफ लपके –
धड़ाक
लेकिन आशा के अनुरूप ही–
धम्मम्मम
तड़ाक
लड़ाई एक मिनट से ज्यादा नहीं चली–

लेकिन मुसीबतें अभी खत्म नहीं हुई थीं–
तेरी किस्मत में शायद गोली खाकर ही मरना लिखा है। और तुझे गोली मारने से मेरा कुछ बिगड़ेगा भी नहीं।...
...क्योंकि इस वक्त तू एक चोर है, जो मेरे जहाज पर बिना इजाजत के घुस आया है।
वैसे तो गोलियों से मुझे कोई परेशानी नहीं होती है... लेकिन फिलहाल मैं तुमको ट्रिगर दबाने की परेशानी से बचाना चाहता हूं।
ध्रुव के गोल होंठों से एक खास धुन की सीटी निकली–
और कैप्टेन के हाथों से पिस्तौल छूटकर दूर जा गिरा–
चींचीं
चींचीं
लेकिन इससे पहले कि ध्रुव का मुक्का, कैप्टेन से पूछताछ कर सकता–
ध्रुव! रुक जाओ।
एक आवाज ने उसके हाथ को बीच में ही रोक दिया–
तुम! तुमको मैं पहचानता हूं। तुम तो डॉक्टर वैंकटराजू के पर्सनल सेक्रेटरी हो!
तुम शायद खाली कंटेनरों को देखकर उत्तेजित हो गए हो, लेकिन ये कंटेनर खाली ही आने थे।
तुम तुरन्त डॉक्टर साहा या डॉक्टर वैंकटराजू से बात कर लो। वे तुम्हारी सारी गलतफहमियों को दूर कर देंगे।
ध्रुव को तो उसके सवालों के जवाब, डॉक्टर साहा से मिल ही जाने वाले थे–

लेकिन कहीं और पर- सवाल ही सवाल थे, लेकिन जवाब कहीं नहीं मिल रहे थे-
हमको पृथ्वी पर इस ग्रह के अनुसार दो साल बीत चुके हैं, टार ! लेकिन अब तक न तो हमको ढूंढने के लिए कोई आया, और न ही हम अपने ग्रह तक मदद के लिए सिग्नल भेजने में सफल हो पाए हैं।
हिम्मत रखो नताशा। हम खोजी हैं, और हमारा इतने समय तक गायब रहना स्वाभाविक बात है।
थोड़े समय बाद वे हमको ढूंढने के लिए जरूर निकलेंगे।
जो करना है, जल्दी करो टार ! कुछ दिनों पहले तक ये इलाका वीरान था, लेकिन अब यहां पर काफी चहल-पहल हो गई है।...
...वे यहां पर कोई मशीनी ढांचा खड़ा कर रहे हैं।
वैसे भी, मैं इस 'सिग्नल यंत्र' को और शक्तिशाली बनाने की कोशिश कर रहा हूं।
अब तक इस ग्रह के चारों तरफ बनी ओजोन गैस की पर्त हमारे सिग्नलों को रोक रही है। सिग्नल बाहर नहीं जा पा रहे हैं।
उसे तो मैंने भी देखा था। पर वह मशीनी ढांचा है किस चीज का?
वह मशीनी ढांचा था...

... उस 'रॉकेट' का, जिसे डॉक्टर वेंकटराजू और डॉक्टर लाहा मंगल ग्रह भेजने जा रहे थे-
लेकिन इस वक्त दोनों का ही ध्यान, रॉकेट में नहीं था-
अभी-अभी मेरे पर्सनल सेक्रेटरी बंसल का फोन आया था मेरे पास। बड़ी गड़बड़ हो गई है। ध्रुव अभी न जाने कैसे 'जिवागो' शिप पर पहुंच गया और उसने उस पर आने वाले खाली कंटेनर भी देख लिए।
क्या? वह शिप तक पहुंचा कैसे? और उसको यह खबर किसने दी कि कंटेनर खाली आ रहे हैं?
पता नहीं! लेकिन अब शायद हमारी पोल खुलकर ही रहेगी। मैं ही गधा था जो तुम्हारी स्कीम में शामिल हो गया।
घबराओ मत! ध्रुव को शक तो हो गया होगा, लेकिन मैं मामला संभाल लूंगा।
पर अब खतरा बढ़ गया है। तुमने ध्रुव को अंतरिक्ष यात्री बनाकर बहुत बड़ी गलती की है, वेंकटराजू! अब या तो ध्रुव को रास्ते से हटाना पड़ेगा और या फिर रॉकेट को ही ठिकाने लगाना होगा।
पर यह होगा कैसे? हम यह काम कैसे कर सकते हैं?
हम यह काम नहीं करेंगे वेंकट! लेकिन मेरी जान-पहचान एक ऐसे आदमी से है, जो एक ऐसे कातिल का इंतजाम कर देगा, जो ध्रुव को रास्ते से हटा सके!
कौन है वह आदमी?
वह है, राजनगर का माफिया डॉन...
... केशी!

डॉक्टर साहा ने केशी से संपर्क करने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया—
तुम्हें ध्रुव को खत्म करने के लिए आदमी चाहिए, साहा? वाह... वाह! तूने तो मेरे मुंह की बात छीन ली।
मैं एक ऐसी अंतर्राष्ट्रीय किलर रिंग को जानता हूं, जो ऐसे हत्यारे सप्लाई कर सकते हैं।—
—लेकिन उनके रेट बहुत ज्यादा हैं। वर्ना मैं ही किसी हत्यारे को बुलवाकर ध्रुव को खत्म करवा देता।
पैसों की तुम चिन्ता मत करो! सबसे अच्छे हत्यारे को बुलवाओ, केशी!
लेकिन अगर वह ध्रुव को नहीं मार पाया तो
अब इसकी गारन्टी तो कोई नहीं ले सकता, साहा!
ठीक है! तुम हत्यारे को बुलाओ। पहले वह ध्रुव को मारने की कोशिश करेगा। और असफल रहने की स्थिति में वह मंगल ग्रह जाने वाले रॉकिट को नष्ट कर देगा।
रॉकिट को नष्ट?... ऐसा क्यों?
तुम आम खाओ, केशी! आम के अन्दर की गुठली में क्या है, यह सोचकर दिमाग क्यों खराब करते हो?
बात तो सही है तुम्हारी! तो फिर सौदा पक्का।
पक्का...
...तुम्हारे कमीशन की रकम काम होते ही तुम तक पहुंचा दी जाएगी।
PARK

वेंकटराजू को डॉक्टर साहा की योजना तो पसन्द आई। लेकिन एक बात उसकी समझ में नहीं आई-
तुम रॉकेट को नष्ट करने का काम दूसरों से क्यों करवाना चाहते हो? यह काम तो हम भी कर सकते हैं।
इसीलिए बेहतर तो यही है कि ये काम कोई बाहर वाला ही करे। ताकि कोई गड़बड़ होने पर उससे हमारा संबंध साबित ही न हो सके।
तुम भूल रहे हो, वेंकट कि रॉकेट को बनाने वालों में हमारे आदमियों के अलावा दूसरे आदमी भी हैं-
...और अगर इसके जरिए बात बाहर फैल गई तो हम दोनों भी लपेटे में आ सकते हैं।
बात तो ठीक कही तुमने...
...श्शश्श! कोई आ रहा है!
डॉक्टर साहा और डॉक्टर वेंकटराजू इसी आने वाले का इंतजार कर रहे थे-
आहा। हमारा अंतरिक्ष यात्री सुपर कमांडो ध्रुव!... आओ! आओ!
यह सब क्या चक्कर है, डॉक्टर साहा?
चक्कर? कैसा चक्कर?
जवाब में ध्रुव डॉक्टर साहा को राजनगर बन्दरगाह पर घटे घटनाक्रम के बारे में बताता चला गया-
ओह। वे खाली कंटेनर! यह तो हमारी सुरक्षा-व्यवस्था का एक हिस्सा है ध्रुव! दरअसल दुनिया के कई देश हमारे मंगल ग्रह अभियान से खुश नहीं हैं। वे हमारे प्रोजक्ट में व्यवधान डालने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए हम रॉकेट के पुर्जों को तीन अलग-अलग रूटों से मंगाते हैं...

इनमें से दो रूटों पर तो खाली कंटेनर भेजे जाते हैं, और सिर्फ एक रूट पर सामान आता है। इसका पता या तो हमको होता है, और या फिर जहाज के कैप्टेन को।...
... इस 'जिवागो' शिप में तो खाली कंटेनर ही आने थे। माल तो हमारे पास पहले ही पहुंच चुका है।
ओह!
ध्रुव को शक तो हुआ, लेकिन फिर भी वह खामोश रह गया—
क्या सोचने लग गए? अब सोचना छोड़ो, और रॉकेट साइट पर चलने की तैयारी करो!
अब तुम्हारा ऊपर जाने का समय आ गया है, ध्रुव।
और एक हफ्ते बाद— हिमालय की तराई में स्थित उस रॉकेट साइट पर ध्रुव डॉक्टर साहा के साथ खड़ा था—
ये स्थान हमने रॉकेट की उड़ान के लिए चुना है, ध्रुव! दरअसल दो साल पहले तक यहां पर जंगल हुआ करता था। फिर एक उल्का आकर इस स्थान पर गिरी।

अजीबो-गरीब उल्का थी वह। उसके टकराने से इस पूरे इलाके का जंगल जलकर राख हो गया, लेकिन जमीन में एक गड्ढा तक दिखाई नहीं दिया...
...और तो और, उस उल्का का भी कहीं कोई पता नहीं चला।
शायद टकराने के धमाके ने उसको पूरी तरह से नष्ट कर दिया था।
लेकिन यहां पर अंतरिक्ष से सीधी उल्का आकर गिरने से हमको ये विश्वास हो गया कि अगर इस स्थान से रॉकेट को छोड़ा जाए तो उसका उड़ान-पथ निश्चित करने में आसानी होगी।
इसीलिए हमने इस स्थान को रॉकेट छोड़ने के लिए चुना है।
डॉक्टर साहा का ख्याल एकदम गलत था-
अंतरिक्ष से आकर गिरने वाली वह वस्तु उल्का नहीं थी-
बल्कि एक अंतरिक्ष यान था, जिसके धरती से टकराने पर गड्ढा हुआ तो जरूर था, लेकिन अपने शक्तिशाली 'सकशन पंपों' की मदद से उन अंतरिक्ष यात्रियों ने मिट्टी को वापस खींचकर गड्ढे को भर दिया था, और भूमि को फिर से समतल कर दिया था-
डार! 'पेरिस्कोप-स्क्रीन' पर नजर आने वाले बाहर के इस दृश्य को देखो।
यह मशीनी ढांचा तो कोई रॉकेट लगता है डार!
हां! यानी हमारे ठीक ऊपर बनने वाला मशीनी यंत्र एक रॉकेट है।

हां, नाग्धारा। लेकिन पहले इसकी जांच-पड़ताल करके यह देखना होगा कि यह रॉकेट इस योग्य है या नहीं कि हमको अपने ग्रह तक ले जा सके।...
...मैं जाकर सब कुछ पता करके आता हूं।
ज़रा सावधानी से काम करना टार।
घबराओ मत। मैं अपनी कलाईयों पर ये 'डिसरप्टर' बांधकर जा रहा हूं। जो हमको अदृश्य कवच में तो रखता ही है, और ज़रूरत पड़ने पर कंपन तरंगें भी छोड़ सकता है।
हां। लेकिन इसकी ज़रूरत न ही पड़े तो अच्छा है। क्योंकि यह यंत्र एक बार में एक ही शक्ति का प्रयोग कर सकता है। या तो तुम अदृश्य रह सकते हो, और या फिर कंपन तरंगें छोड़ सकते हो।
क्लीक
चिन्ता मत करो, नाग्धारा!
कंपन तरंगें छोड़ने का मौका आएगा ही नहीं। क्योंकि इस अदृश्य रूप में मुझे कोई तभी देख सकता है, जब बहुत ज़्यादा ध्यान से देखे।
और ऐसा कोई करेगा ही नहीं। मैं अभी आता हूं।
टार तो सांत्वना देकर चला गया—
लेकिन नाग्धारा का दिल अभी भी आशंका से कांप रहा था—
हमारा यान इतना क्षतिग्रस्त हो गया है कि अब यह उड़ नहीं सकता। लेकिन ग्रह देवता की कृपा से इसके बाकी सिस्टम सही तरीके से काम कर रहे हैं। तभी हम इतने दिनों तक जिन्दा रह सके।...
...लेकिन अब हमारा छिपे रह पाना बहुत मुश्किल लगता है। ग्रह देवता करें यह रॉकेट हमारे काम के लिए उपयुक्त हो, और हम वापस अपने घर आ सकें। मदद करो ग्रह देवता।

लेकिन साहस की इच्छा शायद पूरी होने वाली नहीं थी—
क्योंकि इसी वक्त सतह के ऊपर बने रॉकेट कंट्रोल सेंटर में—
क्या मैं अंदर आ सकता हूँ सर?
मेरे पर्सनल सेक्रेटरी बंसल, आओ! कहो क्या बात है?
दो मिनट की सीधी सी बात है, वेंकट साहब! आप तो जानते ही हैं कि ध्रुव मुखर्जी उस दिन राजनगर बंदरगाह पर बहुत पूछताछ कर रहा था।
आज यहाँ पर दिखा तो भी कुछ पूछने की कोशिश कर रहा था। मुझे डर है कि कहीं मेरा मुंह न खुल जाए।
और आप तो जानते ही हैं कि अगर मेरा मुंह खुला तो आप लोगों की सांस बन्द हो जाएगी।
क्या चाहते हो हमसे?
आप मुझे मुंह बन्द रखने के लिए जितना दे रहे हैं, उतना काफी नहीं है। मुझे उससे दुगुना चाहिए।
और अगर न दूँ तो?
तो मेरा मुंह खुल भी सकता है सर!
मुंह खोलोगे तो तुम भी फंसोगे बंसल!
मैं तो छः महीने में छूट जाऊंगा, लेकिन तुम दोनों कम से कम बीस-बीस सालों के लिए अन्दर जाओगे!
गुस्से में कांपते वेंकटराजू और साहा एक साथ ही बंसल पर टूट पड़े—
यू रास्कल! नमक हराम! कमीने!
और बंसल अपना संतुलन खोकर...

...खिड़की का शीशा तोड़ता हुआ...
धड़ाक
...टार के सामने आ गिरा–
चीख की आवाज सुनकर कई लोग घटनास्थल की तरफ भागे–
आ ऽ ऽ ह ह ह ह म म म
...बिल्डिंग के अन्दर जानकारी लेने के लिए घुसने जा रहे...
ध्रुव भी इनमें से एक था–
क्या हुआ? अरे, ये तो वेंकटेश है। डॉक्टर वेंकटराजू का पर्सनल सेक्रेटरी!
पता नहीं क्या हुआ। मैंने तो इसे जमीन पर तड़पता हुआ देखा!
कांच के टुकड़े देखने से तो लगता है कि ये ऊपर से गिरा–
...अरे! यह क्या है?
ध्रुव की तेज निगाहों से टार की शीशे जैसी पारदर्शी आकृति बच नहीं सकी–

लेकिन अब तक ध्रुव, टार की आकृति की तरफ लपक चुका था-
ओह! इस मानव ने मुझे देख लिया है। कमाल की नजर है इसकी। अब मुझे यहां से भागना पड़ेगा।
सोचने में मूर्खता लगती है। लेकिन मुझे चेक करके देखना होगा कि यह सचमुच है या मेरी नजरों का वहम।
क्योंकि अगर यह असली है तो इसका संबंध बंसल की हत्या से हो सकता है।
अगले ही पल ध्रुव को पता चल गया कि उसकी आंखें ठीक हैं-
तड़ाक
आह!... आश्चर्यजनक! ये तो कोई आदमी लग रहा है। अदृश्य रूप में!...
और अगर यह कोई आदमी है, तो बंसल की हत्या से इसका संबंध जरूर है। यह हत्यारा भी हो सकता है।...
...और सुपर कमांडो ध्रुव से बचकर कोई भी हत्यारा भाग नहीं सकता!
ध्रुव ने उस अदृश्य आकृति की गर्दन को कस लिया-
लेकिन सिर्फ एक पल के लिए-
?
क्योंकि अगले ही पल टार के शक्तिशाली हाथों ने ध्रुव को उछाल कर दूर फेंक दिया-

और ध्रुव के साथ-साथ कई दूसरे लोग भी आश्चर्यचकित हो गए-
यह क्या हो रहा है? ध्रुव अपने-आप हवा में उछलकर गिर कैसे पड़ा यार?
कारण, सिर्फ ध्रुव समझ रहा था-
कुछ गड़बड़ है। इस आकृति ने मुझे जिस आसानी से उठाकर फेंक दिया, उसे देखकर तो लगता है कि यह आदमी नहीं, वनमानुष है-
...मामला उतना आसान नहीं है जितना मैं समझ रहा था...
...मैं इसको भागने नहीं दे सकता... ओह! यह तो मुझे ही घसीटता हुआ ले जा रहा है!
गज़ब की ताकत है इसमें...
...मुझे 'स्टारलाइन' को छोड़ना ही होगा।...
...लेकिन मैं इसका पीछा नहीं छोड़ूंगा। यह पहाड़ों की तरफ जा रहा है।...
...यह अगर एक बार नजरों से ओझल हो गया तो इन चट्टानों के बीच से मैं इसको कभी ढूंढ नहीं पाऊंगा...

टार थोड़ा चिन्तित हो उठा–
ये मानव तो मेरे पीछे ही पड़ गया है। दरअसल इसकी नजरें मेरी आकृति पर जम चुकी हैं। एक बार अगर मैं इसकी नजरों से ओझल हो गया तो फिर यह मुझे नहीं ढूंढ पाएगा...
...और तब मैं आराम से अपने गुप्त द्वार से यान तक जा सकूंगा।
मैं इसको मारना नहीं चाहता। इसीलिए इस पर सिर्फ इसका ध्यान बंटाने लायक वार ही करूंगा।
दिक्कत सिर्फ यही है कि वह वार करने के लिए मुझे अदृश्य रूप कुछ पलों के लिए त्यागना होगा।
कलाई पर बंधे 'डिसरप्टर' का बटन दबाते ही टार का अदृश्य कवच हट गया–
हे भगवान! ये तो किसी दूसरे ग्रह का प्राणी लग रहा है।
यह उस चट्टान को घूर रहा है। चट्टान थरथरा रही है। यह जरूर अपने हाथों से 'शॉक वेव' छोड़ रहा है। लेकिन चट्टान पर क्यों?
कड़!
कड़ाक
ओह! समझ गया। चट्टान के टुकड़े मुझ पर गिर रहे हैं...
...ओफ्!
कड़कड़ाहट की आवाज 'रॉकेट साइट' तक जा पहुंची–
ये तो चट्टान टूटने की आवाज थी!
ध्रुव उधर गया है।
'जिमी' उसे ढूंढ निकालेगा।
गो, जिमी!
हम पीछे-पीछे चलते हैं।

और पहाड़ों पर-
वह पृथ्वीवासी कहीं नजर नहीं आ रहा है! वह जरूर चट्टान के टुकड़ों के साथ ही नीचे लुढ़क गया होगा। और साथ ही साथ इतना घायल भी हो गया होगा कि मेरा पीछा न कर सके।
दार एकदम गलत सोच रहा था-
ध्रुव नीचे नहीं गिरा था-
चट्टानों के नीचे से निकली पेड़ की इन जड़ों ने मुझे गिरने से बचा लिया।...
...लेकिन इस प्राणी को अभी तक इस बात का एहसास नहीं है।...
...और जब तक इसको अहसास हो
...तब तक देर हो चुकी होगी। मैं इस पर कायरों की तरह पीछे से हमला करना नहीं चाहता। पहले इसको सावधान कर देता हूं।
ए!
?
आवाज़ सुनकर वह पीछे घूमा-
और उसी पल ध्रुव का एक जोरदार वार उसके चेहरे पर आ पड़ा। इस जोरदार वार के पीछे, ध्रुव के पूरे बदन का वजन था-
और दार शारीरिक लड़ाई का आदी नहीं था-
उसका पूरा सिर झनझना उठा-

और उसके संभल पाने से पहले ही, ध्रुव ने उसकी झल्लाहट को दुगुना कर दिया-
कुछ समझ पाने से पहले ही-
तड़ाक
टार नीचे गिरा हुआ था। और ध्रुव उसके ऊपर खड़ा था-
पता नहीं तुम मेरी बात समझ सकते हो या नहीं। लेकिन अगर समझ सकते हो तो बताओ कि बंडल नीचे कैसे गिरा था और तुम वहां पर क्या कर रहे थे?
ध्रुव यहीं पर वह गलती कर गया, जो उसे नहीं करनी चाहिए थी-
वह टार के काफी नजदीक आ गया था। अगले ही पल टार ने लपककर उसका पैर थाम लिया-
और ध्रुव के पूरे शरीर में एक तेज थरथराहट दौड़ गई-

और फिर- अलहाय ध्रुव की आंखों के सामने ही टार फिर अदृश्य हो गया-
अब ये अदृश्य होकर भाग निकलेगा। और मैं इस हालत में इसका पीछा नहीं कर सकता। मुझे संभलने में कम से कम कुछ सेकंडों का वक्त तो लगेगा ही।...
... और तब तक ये मेरी नजरों से ओझल हो चुका होगा।...
... हो गया। अब मैं इसको कभी ढूंढ नहीं पाऊंगा।... अरे!
... भौं भौं... वाऊ...
ये भौंकने की आवाज कैसी है? कोई कुत्ता इधर ही आ रहा है।...
... अरे! यह तो सिक्योरिटी वालों का कुत्ता है, जो सूंघकर बमों तक को ढूंढ निकालता है।
बन गया काम! अगर तू बमों तक को ढूंढ सकता है तो उस परछाई को भी सूंघकर ढूंढ निकाल सकता है!
वह अदृश्य तो हो सकता है, पर अपनी गंध को नहीं दबा सकता।
चलो, उसे ढूंढते हैं।
जिमी, ध्रुव की बात को समझते ही टार की महक सूंघते हुए, एक तरफ लपक गया-
टार अभी ज्यादा दूर नहीं गया था-
अब मैं इस जंगल के बीच में होते हुए आराम से अपने यान तक पहुंच... अरे! ये आवाज कैसी है?

अब तक टार आवाज के स्रोत का पता लगा पाता, आवाज निकालने वाला उस पर झपट चुका था-
भौंSSS
वाह!, मेरे दोस्त ने उस परछाईं को ढूंढ निकाला है। लेकिन इसे काबू में तो मुझे ही करना पड़ेगा।
यह मेरे सामने एक बार अदृश्य हुआ है, और एक बार अदृश्य रूप से सामने आया है। और दोनों ही बार इसने अपनी दाहिनी कलाई पर बंधे यंत्र का कोई बटन दबाया था।...
-इसको काबू में करने के लिए उस यंत्र को नष्ट करना होगा।
मुझे इस पर सिर्फ एक वार करने का ही मौका मिल पाएगा।...
...इसलिए इसकी शीशे जैसी आकृति को जरा और स्पष्ट करना पड़ेगा।...
...और उसके लिए कीचड़ का ये गड्ढा मेरी मदद कर सकता है।
तड़ाक
छटपाक

और टार का अदृश्य रूप अब कीचड़ के गड्ढे से उठकर खड़ा हुआ तो उस पर सने कीचड़ की वजह से वह साफ नजर आ रहा था-
अब तुम बचकर नहीं जा सकते। क्योंकि मैं तुमको दूसरा मौका नहीं दूंगा।
यह 'ध्रुव' नामक पृथ्वीवासी तो गजब का बुद्धिमान है। पर दुख की बात तो यह है कि अब मुझे मजबूरन इसको खत्म करना पड़ेगा, अपनी कंपन तरंगों से।...
...वर्ना यह मेरे लिए मुसीबत के पहाड़ खड़े कर देगा...
टार को दुखी होने की जरूरत नहीं थी-
क्योंकि ध्रुव की मार पड़ना उसके बस के बाहर की बात थी-
ओह! इसने मेरे 'हिरस्टर' पर वार किया है। इसके अंदर के नाजुक पुर्जे जरूर नष्ट हो गए हैं। क्योंकि मेरा अदृश्य रूप खत्म हो रहा है।...
...और मैं कंपन तरंगें भी नहीं छोड़ पा रहा हूं।...
-ऐसी स्थिति में यहां पर रुककर इस खतरनाक ध्रुव से मुकाबला करना मूर्खता है।
यहां से भागने का इंतजाम करना पड़ेगा।
और ध्रुव के देखते-देखते टार एक चट्टान पर से उफनती पहाड़ी नदी में कूद गया-
इससे पहले कि ध्रुव भी उसका पीछा करने के लिए नदी में कूद पाता...

एक आवाज ने उसका ध्यान खींच लिया–
ध्रुव ! तुम ठीक तो हो न ?
सिक्योरिटी गार्ड्स ! हां, मैं ठीक हूं।
अब मैं उस परछाई के पीछे नहीं जा सकता। क्योंकि मैं नहीं चाहता कि फिलहाल कोई और उसके बारे में जाने।
जब मैं उसको ढूंढकर इस सारे मामले की सच्चाई पता कर लूंगा तभी मैं यह निर्णय ले पाऊंगा कि इसके अस्तित्व को दुनिया के सामने लाया जाए या नहीं!
क्या हुआ था ध्रुव? वह चट्टान टूटने की आवाज कैसी थी? और तुम यहां तक किसके पीछे भाग आए थे?
पिंग पिंग!
कोई खास बात नहीं थी। वह तो मैं--
--ओह! स्टार ट्रांसमीटर पर सिग्नल आ रहे हैं!
यह जरूर डॉक्टर साहा या वैंकटराजू का मैसेज होगा। यहां पर मैं सिर्फ उन्हीं को अपने ट्रांसमीटर का कोड देकर आया था...
–ध्रुव हियर!
ध्रुव, मैं साहा बोल रहा हूं।
हमारे रॉकेट ईंधन को लेकर आ रहे टैंकर को किसी ने यहां से एक किलोमीटर दूर नेशनल हाइवे पर रोक लिया है...
...हमारे सिक्योरिटी गार्ड्स उसको रोक पाने में असफल रहे हैं। तुम वहां तुरंत पहुंचो!
आप चिन्ता मत कीजिए। मैं अभी वहां पहुंचता हूं।
हा हा हा! देखा वैंकट! टैंकर को रोकने वाला हमारा ही आदमी है। जिसे केशी ने यहां पर भेजा है।
अब जब ध्रुव वहां पर पहुंचेगा, तो वहां पर उसको मिलेगी उसकी मौत।
टैंकर को रोकने वाला सचमुच साक्षात मौत का परकाला था–
ओ माई गॉड! हमारी गोलियां इसके स्टील कवच पर बेअसर साबित हो रही हैं।
गोलियां चलाना बन्द करो!
वरना कोई गोली उछलकर टैंकर में भी लग सकती है।

तो फिर हम क्या करें, सर?
अब तुम लोग कुछ नहीं करोगे! तुम अपनी सारी शक्ति आजमा चुके हो!...
...अब जो करना है, वह 'मोल' करेगा।
गोली की तरह छूटी, तेज घूमती ड्रिलें, गार्डों के शरीरों को छेदती निकल गईं।
लेकिन टैंकर को रोकने वाला वह शख्स 'मोल' अपनी सफलता पर हंस नहीं सका-
जीप की आवाज।
यानी कोई और आ रहा है! कहीं यह मेरा शिकार ही तो नहीं है?
आने वाला सचमुच शिकार ही था-
ओह! यह है कौन? अरे! यह जीप पर गोलियों की तरह कुछ छोड़ रहा है।
ओह! टायर पंक्चर हो गया है।
जीप नियंत्रण से बाहर हो रही है!
जीप खाई में गिर रही है।
कूदो!

ओह! कूदकर बच गए। लेकिन 'मोल' के पास और भी हथियार हैं। जैसे मेरे रॉकेट शूज!
दोनों सिक्योरिटी गार्ड्स, अपने जबड़ों को टूटने से न बचा सके-
ओह! यह तो उड़ भी सकता है। इसने अपने पैर में रॉकेट बांध रखे हैं!
तू बहुत फुर्तीला है ध्रुव! तूने मोल के रॉकेट शूज को भी मात दे दी!
लेकिन दुबारा ऐसा नहीं होगा!
तुम ठीक कह रहे हो!
लेकिन इस बार का मोल पर कोई असर नहीं हुआ-
इस टक्कर का मुझ पर असर नहीं होगा ध्रुव!
क्योंकि इस बार मैं तुझको ही तोड़ दूंगा।
क्योंकि मेरे सूट पर गोलियां तक बेअसर हैं।

स्टील हस्तालों का करारा वार खाकर ध्रुव नीचे आ गिरा-
अब मेरी 'ड्रिल-गन' तेरा काम तमाम कर देगी ध्रुव!
और साथ ही साथ तुझे मारने का मेरा कांट्रेक्ट भी पूरा हो जाएगा।
मुझे मारने का? यानी इसे सिर्फ मुझे मारने के लिए ही यहां पर भेजा गया है।...
...और मुझमें इतनी शक्ति नहीं बची है कि मैं इसकी ड्रिलों की बौछार से बच सकूं। क्योंकि अभी-अभी उस परग्रही से हुई मुठभेड़ ने मुझे काफी थका दिया है।...
...लेकिन फिर भी कोशिश करना मेरा काम है, और बचाना ऊपर वाले का।
FUEL
ध्रुव, ड्रिलों की बौछार से बचने के लिए एक तरफ लपका तो जरूर...
...लेकिन इसकी जरूरत नहीं थी-
क्योंकि ड्रिलों की बौछार, ध्रुव तक पहुंच ही नहीं पाई-
ओह! बर्फ की दीवार! एकाएक मेरे और ड्रिलों के बीच में बर्फ कैसे आ गई?
बुध ग्रह की शीत किरणों की मदद से, वायुमंडल में मौजूद नमी को जमाकर ध्रुव!
शास्त्रेदमन! तुम यहां पर क्या कर रहे हो?

ये बातें बाद में भी कर लेंगे, ध्रुव! फिलहाल तो इस मुसीबत को रोकना ज्यादा जरूरी है।
'क्षुद्रग्रह-बेल्ट' की चट्टानों के वार से!
नास्त्रेदमस मेरी मदद क्यों कर रहा है?
चट्टानों के वार ने 'मोल' को हवा में ही उछालकर पीछे फेंक दिया-
ओह! ये तो ध्रुव के साथ मिलकर मुझ पर हमला कर रहा है...
...यानी मोल को अपनी सबसे शक्तिशाली पॉवर का इस्तेमाल करना होगा! ड्रिल के जरिए जमीन में सुरंग बना सकने की पॉवर!
ये तो जमीन में घुस गया ध्रुव!
शायद ये भागना चाहता है, नास्त्रेदमस!
ध्रुव! पैरों के नीचे...
...जमीन हिल रही है!
मोल!
ओफ्! बाल-बाल बचा!

यह 'मोल' तो बहुत खतरनाक है। अगर यह इसी तरह जमीन में घुसता और निकलता रहा तो हमारे सिर टूटने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।
क्योंकि हम उसके घुसने वाली जगह तो देख सकते हैं, पर निकलने वाली नहीं।
उसका भी इंतजाम कर लेते हैं नास्त्रेदमस।
ध्रुव की सीटी के जवाब में एक चिड़िया तुरन्त नीचे उतर आई-
चिड़ियाएं, जमीन के कंपन को बहुत अच्छी तरह से भांप लेती हैं। मोल के सुरंग बनाने से सुरंग के ऊपर की जमीन में जो कंपन होंगे यह चिड़िया उसी का पता लगाएगी। और उससे हमको पता चल जाएगा कि मोल जमीन के नीचे किस तरफ आ रहा है।
ध्रुव! मोल वापस आ रहा है।
ओह! अगर मुझे हटने में एक सेकेंड की भी देर होती तो मेरा सिर धड़ से टूटकर अलग गिर जाता।
लेकिन अगर यह देख नहीं पाए तो ये हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता!
शुक्र ग्रह के गाढ़े बादलों ने मोल को घेर लिया-
और 'मोल' अपने निशाने से थोड़ी दूर पर, जमीन में जा घुसा-
वाह! तुमने इस हमले से मुझे मोल से निबटने का आइडिया दे दिया है!

इसका 'स्टील-सूट' हर जगह से बन्द है। सिवाय आंखों के। और आंखों पर हमला करने के लिए मुझे जो चीज चाहिए वह इस पेट्रोल टैंकर में जरूर होगी।
ध्रुव टैंकर की तरफ लपका-
कुछ सेकंडों बाद- जब ध्रुव टैंकर से बाहर कूदा तो उसके हाथ में अग्निशामक यंत्र था-★
मिल गया। अब देखते हैं कि मोल बाहर कहां से निकलता है!
★ आग बुझाने वाला यंत्र-
'मोल' द्वारा बनाई जा रही सुरंग के कंपनों को भांपती हुई चिड़िया स्कास्क उड़ने लगी-
चिड़िया उड़ने लगी! यानी कंपन इसके पास आ रहे हैं। मोल यहीं कहीं से बाहर निकलेगा।
मोल के बाहर निकलते ही ध्रुव उसके लिए तैयार था-
आह! मेरी आंखें!
फिस्स
घबराओ मत मोल! यह आग बुझाने वाली फोम है!
यह तुम्हारी आंखों को फोड़ेगी नहीं, सिर्फ थोड़ी देर के लिए जलन पैदा कर देगी!
आंखों में जलन से बेहाल मोल, बिना देखे हवा में उड़ा-
और उसी पल 'स्टार-लाइन' उसके पैर में आ फंसी-
अब मैं इसको उन बिजली के तारों तक उड़ने दूंगा!

और फिर 'स्टार लाईन' के दूसरे छोर को इस चट्टान में बांध दूंगा।
इससे क्या होगा?
अगले ही पल, हवा में उड़ता मोल एक झटका खाकर बिजली के तारों पर आ गिरा–
और स्टील सूट के कारण मोल को एकाएक जबरदस्त शॉक लगा–
आऽऽऽऽऽ
ओफ्! इस ध्रुव को मार पाना मेरे बस का काम नहीं है। अब मुझे...
...एक मिनट।
मैं भी खामख्वाह हवा में हाथ-पैर मार रहा हूं। इसको मारने का तरीका तो मेरे सामने खड़ा हुआ है।
धम्म्म्म्म्म्म्म
JET FUEL
ध्रुव! यह फिर हमारी तरफ आ रहा है।
हमारी तरफ नहीं, नास्त्रेदमस! यह टैंकर की तरफ आ रहा है।

ध्रुव को अब तक कुछ समझ में आ पाता-
कड़ाम
OCKET FUEL
तब तक बहुत देर हो चुकी थी-
एक भीषण धमाके के साथ टैंकर फट पड़ा-
दो सौ मीटर दूर तक की चट्टानें और पेड़ हवा में उड़ गए-
काबूममममम
इस विस्फोट से किसी का भी बच पाना असंभव था-
हा हा हा! खत्म हो गया ध्रुव! पूरा हो गया मेरा कांट्रैक्ट। देर से ही सही अक्ल आई मुझे, लेकिन दुरुस्त आई। हा हा हा हा।
हा हा... हा? हांई!
अचानक मोल की हंसी पर ब्रेक लग गया-

क्योंकि आग के हल्का होते ही सामने नजर आ रहे थे -
ध्रुव और उसका दोस्त। तुम... तुम दोनों धमाके से बच कैसे गए?
हमारे बचने का रास्ता तो तुम खुद ही बनाकर गए थे मोल।...ये सुरंगें...
... धमाका होने के एक सेकेंड पहले ही हम दोनों इन सुरंगों में घुस गए थे।
तुमको मारना असंभव है, लड़के।...
...अब मैं तुमको मारने में अपना समय खराब नहीं करूंगा। अब मैं जाकर रॉकेट को ही नष्ट कर देता हूं।
?
यह क्या कह रहा था? रॉकेट को नष्ट करेगा। पर क्यों?
वह तो पता कर ही लेंगे। पहले तुम बताओ कि तुम नरका जेल से छूटकर आए हो या भागकर?
भागकर! क्योंकि मुझे सुपर नोवा से बदला लेना था। लेकिन बाहर निकलकर अखबार पढ़ा तो मेरा मकसद ही बदल गया।
तुम तो जानते ही हो कि मैं पेशेवर अपराधी नहीं हूं। अपराधी तो मुझे डॉक्टर साहा की वजह से बनना पड़ा। और अभी जो मैंने तुम्हारी मदद की, वह भी साहा के कारण ही करी।

साहा के कारण ?
हां। साहा तुम्हारी नजरों में शरीफ बनता है, लेकिन है महाबदमाश आदमी। इस मंगल ग्रह अभियान के पीछे जरूर उसने कोई ऐसी योजना बनाई है, जिसमें उसका बहुत बड़ा फायदा है।
मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि यह रॉकेट सबकी आंखों में धूल झोंकने के लिए है।
और यह मैं सिर्फ तुम्हारी मदद से ही साबित कर सकता हूं।
तुम यह बात इतने दावे के साथ कैसे कह सकते हो ?
क्योंकि राजनगर बंदरगाह पर आने वाले पुर्जों के बारे में मैंने ही तुमको फोन किया था ध्रुव।
तुमने ?
हां। मैं वापस नरका जेल जाने को भी तैयार हूं। लेकिन सिर्फ इस शर्त पर कि तुम साहा को बेनकाब करने में मेरी मदद करो।
वैसे तो मैं तुम्हारी शर्त कभी न मानता। लेकिन अगर तुम्हारी बात सही है तो यह देश की बहुत बड़ी सेवा होगी। लेकिन पहले मुझे साहा के खिलाफ पक्के सबूत चाहिए। तभी यह तय हो पाएगा कि तुम सही हो या साहा।
यह काम तो मैं चुटकियों में कर सकता हूं।
सबूत ढूंढना मेरे जैसे अंतरिक्ष विज्ञानी के लिए मामूली काम है।
तुम सबूत जुटाओ। तब तक मैं 'मोल' को ढूंढता हूं।
'मोल' को ढूंढना बहुत मुश्किल काम साबित होने वाला है। क्योंकि मैं यह नहीं जानता कि वह रॉकेट को नष्ट कैसे करेगा ? सामने से तो वह रॉकेट पर हमला कर नहीं सकता। क्योंकि 'रॉकेट साइट' पर विमानभेदी तोपें तैनात हैं। फिर कैसे ?
एक मिनट!
कहीं वह परछाईं भी तो इस षड्यंत्र में शामिल नहीं है ?
अगर ऐसा है तो मोल उससे जरूर मिलेगा। मुझे वहीं जाना चाहिए, जहां से वह परछाईं नदी में कूदा था...

...उसके छुपने की जगह का रास्ता जरूर उधर से ही जाता होगा...
लेकिन जल्दी ही होने वाला था-
और फिर उस लड़के ने मेरे 'डिसरप्टर' पर वार किया। सारे पुर्जे नष्ट हो गए।
खैर! कंपन तरंगें छोड़ने वाला हिस्सा तो मैंने ठीक कर लिया है। थोड़ी ही देर में अदृश्य होने वाला हिस्सा भी ठीक कर लूंगा।
टार फिलहाल इस षड्यंत्र में शामिल नहीं था-
अब हमको बहुत जल्दी काम करना होगा। यह जगह खतरनाक बनती जा रही है।...
...देखो न! जमीन भी हल्की-हल्की कांप रही है। कुछ गड़बड़ तो नहीं?
ऊपर मशीनी काम चल रहा है, नाडारा! उसी के कंपन होंगे!
टार का ख्याल गलत था। ये कंपन दूसरे कारण से हो रहे थे-
रॉकेट को नष्ट करने का सबसे अच्छा तरीका यही है! 'रॉकेट साइट' के नीचे मैं सुरंगों का ऐसा जाल बना दूंगा कि यह जमीन रॉकेट का और 'रॉकेट कंट्रोल सेंटर' का बोझ ही न संभाल सके। थोड़ी ही देर में यह जगह 'रॉकेट साइट' के बजाय मलबे का ढेर बन जाएगी।
मोल यह नहीं जानता था कि वह सुरंग खोदते-खोदते उस जगह के काफी पास आ गया था...
...जहां पर वह अंतरिक्ष यान जमीन के नीचे दबा हुआ था-
आऽऽऽह!
नाडारा!

आंखें बन्द होने के कारण न तो मोल यह दृश्य देख पाया, और न ही ड्रिल के शोर में टार और नाड़ारा की आवाजें सुन पाया-
लेकिन मुसीबत उसके पीछे लग चुकी थी-
नाड़ारा! मेरी प्रिय! अब मैं किसी को नहीं छोड़ूंगा। सबसे पहले मैं इस दुष्ट को ढूंढकर मारूंगा, जिसने तुझे घायल किया। और फिर कंपन तरंगों से इस पूरी जगह को नष्ट कर दूंगा।
ध्रुव भी मोल की तलाश में पहाड़ी नदी के पास पहुंच चुका था-
यहां पर तो ऐसा कुछ भी नजर नहीं आ रहा है, जो मोल से संबंधित हो!
कहीं मैं गलत तो नहीं...
...आह!
तू यहां पर फिर आ गया?
धड़ाक
ताड़!
आह! रुको, तुम गलत समझ...
जरूर तू भी उसी 'मैटलमैन' के साथ आया है, जो उड़कर सुरंगें खोदता है।...
... बोल! कहां है वह दुष्ट 'मैटलमैन' जो मेरी साथी को घायल कर गया है?
मैं भी उसी की तलाश में आया हूं। वह मेरा भी दुश्मन है!

तुम्हारा भी दुश्मन? तुम झूठ तो नहीं बोल रहे हो?
ध्रुव झूठ नहीं बोलता। लेकिन तुम आखिर हो कौन? यहां पर क्या कर रहे हो?
मुझे बताओ। शायद मैं तुम्हारी मदद कर सकूं।
यह तो बताने की जरूरत शायद नहीं है कि मैं इस ग्रह का प्राणी नहीं हूं। मैं इस आकाश गंगा के दूसरे छोर से आया हूं। मेरा नाम टार है।
मैं एक खोजी हूं। एक अन्वेषक, अंतरिक्ष में ग्रहों पर जीवन की खोज करता हूं। तुम्हारे ग्रह पृथ्वी के पास भी इसी तलाश में आया था।
लेकिन तुम्हारे ग्रह को अपने घेरे में रखने वाली एक गैस, जिसे तुम लोग 'ओजोन' कहते हो, हमारी दुश्मन साबित हुई।
उस गैस के संपर्क में आने से हमारे कुछ विशेष पुर्जे खराब हो गए, और इस वजह से जो शार्ट-सर्किट हुआ, उससे यान का पूरा इंजन खराब हो गया...
हमारा यान एक उल्का की तरह आकर यहां पर गिरा और जमीन में धंस गया। लेकिन ग्रह देवता की कृपा से हमारे यान के बाकी सिस्टम काम कर रहे थे।
उनकी मदद से हमने मिट्टी की अन्दर खींचकर जमीन को वापस समतल कर दिया। तबसे हम लगातार अपने ग्रह पर 'हाईपर सिग्नल' भेजने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यह ओजोन पर्त हमारे सिग्नलों को अपने पार जाने नहीं दे रही है।
हमको यहां पर दो साल हो चुके हैं। इतने दिनों में हम टी॰वी॰ की मदद से तुम्हारी भाषा भी सीख चुके हैं।
फिर जब हमको पता चला कि यहां पर रॉकेट बन रहा है तो हमने इसी रॉकेट के द्वारा अपने ग्रह तक जाने की सोची। मैं रॉकेट के बारे में विस्तार से पता करने के लिए ही, अदृश्य रूप में वहां तक गया था। जब तुमने मुझे देखा।
वह पृथ्वीवासी बंसल नीचे कैसे गिरा, इसका मुझे कुछ पता नहीं।
ओह! लेकिन इस रॉकेट पर तुम अपने ग्रह तक नहीं जा सकते, टार! हम अभी इतनी दूर तक जा सकने वाले रॉकेट को नहीं बना सकते।

लेकिन अगर तुम्हारे यान में ईंधन है तो मैं तुम्हारे लिए एक नए यान का इंतजाम कर सकता हूं।
वह बाद में देखेंगे। पहले मुझे उस 'मैटलमैन' का पता बताओ।
मैंने बताया था कि 'मोल' नाम के उस आदमी को मैं भी ढूंढ रहा हूं।
ठीक है। अब सिर्फ तुम ही नहीं, सारे पृथ्वीवासी उस 'मोल' को ढूंढेंगे। ... क्योंकि अब मैं कंपन तरंगों से फैलाऊंगा तबाही...
... और इस तबाही की शुरुआत होगी इसी जगह से...
... अब यह तबाही सिर्फ तभी रुकेगी, जब 'मोल' मेरे सामने आ जाएगा।
नहीं टार! रुऽऽऽऽऽको!
ध्रुव को टार की 'कंपन तरंगों' की भीषणता का एहसास पहली बार हुआ। पूरी जमीन कांप उठी–
धड़ड़ड़ड़ड़ड़
पेड़ जड़ से उखड़ने लगे। चट्टानें लुढ़कने लगीं और जमीन में दरारें पड़नी शुरू हो गईं–
जमीन की ऊपरी पर्त के गिरते ही ध्रुव की आंखें एकाएक चमक उठीं–
नीचे सुरंग बनाता हुआ मोल साफ नजर आ रहा था–
रुक जाओ टार! वह रहा मोल!

आहा, अब मैं इसके दो टुकड़े कर दूंगा!
नहीं टार! तुम इसको नहीं पकड़ पाओगे। बल्कि इसको पकड़ पाने के चक्कर में और तबाही फैला दोगे।
इसको मैं पकड़ता हूं!
तुम ठीक वैसा ही करो, जैसा मैं कहता हूं...
... तुम अपनी 'कंपन तरंगों' की मदद से, पहाड़ी नदी के इस किनारे पर बनी चट्टानों को तोड़ दो!
अभी चट्टानों को चूर-चूर कर देता हूं। पर इससे होगा क्या?
इससे पहाड़ी नदी का पानी इधर सुरंग की तरफ तेजी से बहेगा...
... और पानी के तेज बहाव के साथ बहता हुआ मैं...
... मौत तक पहुंच जाऊंगा पानी सबसे पहले इसकी रॉकेट की आग को बुझा देगा...

...और फिर जब पानी आंखों के रास्ते, इसके सूट के अंदर भरने लगेगा तो यह अपने-आप ही अपने हेलमेट को उतार देगा।
उफ! गड़बड़! य...यह क्या हो रहा है? पानी कहां से आ गया? मैं सांस नहीं ले पा रहा हूं। मुझे अपना हेलमेट उतारना पड़ेगा!
हेलमेट के उतरते ही, ध्रुव ने एक जोरदार वार किया-
उसे दूसरा वार करने की जरूरत नहीं पड़ी-
तड़ाक
आह!
क्योंकि एक ही वार से मोल अपने होश खो बैठा था-
और फिर-
ये रहा तुम्हारा और हमारा अपराधी टार।
पहले मैं इसको जान से खत्म करना चाहता था ध्रुव!
लेकिन अब इसकी दयनीय दशा देखकर तो मुझे इसे छूने का भी मन नहीं कर रहा है।
तभी-
कोई आ रहा है। टार, तुम छुप जाओ!
लेकिन टार के कुछ कर पाने से पहले ही-
आने वाला सामने आ चुका था-
नास्त्रेदमस! तुम यहां?
मैं तो सिक्योरिटी वालों से बचने के लिए जंगल की तरफ आ गया था...
...लेकिन तुम्हारे साथ ये कौन है?

ध्रुव ने बाल्केनमस को संक्षिप्त रूप में टार के बारे में बता दिया-
अब तुम मुझे बताओ कि तुम वे सबूत ला पाए या नहीं, जो डॉक्टर साहा को अपराधी सिद्ध कर सकें?
लाया हूं न! अभी दिखाता हूं।
ये देखो! रॉकेट के डिजाइनों की जेराक्स कॉपी। इसको मैं साहा के पर्सनल केबिनेट से उड़ा कर लाया हूं।
इस पर जहां-जहां पर गोले लगे हैं, ये वो स्थान हैं, जहां पर कुछ खास पुर्जों को होना चाहिए था। पर वो पुर्जे रॉकेट में नहीं हैं।
अगर तुमको इस पर भी विश्वास न हो तो मैं साहा के पर्सनल कंप्यूटर में से रॉकेट के अंदरूनी भाग की 3-D डिजाइनों की कॉपी भी बना लाया हूं। इसको देखकर तुमको सब-कुछ साफ पता लग जाएगा।
ये रॉकेट मंगलग्रह तो क्या, पृथ्वी के पार के अंतरिक्ष तक भी बड़ी मुश्किल से जा पाएगा।
ये सही कह रहा है, ध्रुव! अदृश्य रूप में रॉकेट सेंटर आने से पहले मैंने भी रॉकेट को चेक किया था। हालांकि रॉकेट अभी पूरा नहीं बना है, फिर भी जो हिस्से पूरे बन चुके हैं, उनमें कई महत्त्वपूर्ण पुर्जे नहीं लगे हैं।
मैंने इस बात पर ध्यान इसलिए नहीं दिया, क्योंकि मैं तुम्हारे ग्रह के विज्ञान के बारे में ज्यादा नहीं जानता...
...मैं समझा कि शायद तुम्हारे यहां की रॉकेट तकनीक कुछ और ही होती होगी।
अगर मैं तुम दोनों की बात पर यकीन कर लूं तो भी साहा को रंगे हाथों पकड़ने का एक ही रास्ता है।
और वह यह है...
...कि मैं इस रॉकेट में बैठकर उड़ान भरूं।

यह तुम क्या कह रहे हो ध्रुव ? इसमें तुम्हारी जान को खतरा है। यह रॉकेट पृथ्वी पर वापस गिरके नष्ट भी हो सकता है।
और अगर मैं ऐसा नहीं करूंगा तो साहा साफ बच निकलेगा। पूछे जाने पर वह पुर्जे या तो रॉकेट में लगा देगा और या फिर इस दोष को किसी और के माथे पर डाल देगा।
तो फिर तुम सीधा ऊपर जाओगे। मंगल ग्रह से भी बहुत आगे।
सीधे या तो स्वर्ग में या नर्क में।
मेरे पास एक योजना है।... लेकिन उसमें मुझे टार की मदद चाहिए।
नहीं, नाल्टेवलस! अगर मुझे साहा को रंगे हाथों पकड़ना है...
...तो मुझे इस रॉकेट में उड़ान भरनी ही होगी।
तुमने मोल को पकड़कर मुझ पर अहसान किया है ध्रुव!...
...इस अहसान को चुकाने का मौका मिलने पर मुझे खुशी ही होगी।
और आखिरकार- वह दिन भी आ गया, जब रॉकेट उड़ान के लिए तैयार था-
रॉकेट के अंदर- ध्रुव भी उड़ान के लिए तैयार था-
उल्टी गिनती यानी काउंट-डाउन शुरू हो चुका है, ध्रुव! रॉकेट उड़ने में सिर्फ बीस मिनट बचे हैं।
रॉकेट उड़ने के एक मिनट पहले इंजन स्टार्ट हो जाएंगे। फिर धुएं के कारण तुमको कुछ दिखाई नहीं देगा। इसीलिए अपनी मातृभूमि को आखिरी बार ध्यान से देख लो। मेरा मतलब, जब तक तुम वापस न आओ, तब तक के लिए।
और हां! तुमको कंट्रोल पैनल छूने की कोई जरूरत नहीं है। रॉकेट ऑटोमैटिक पायलट पर सेट है।
अब मैं नीचे जाकर 'कंट्रोल सेंटर' से तुम्हारी इस ऐतिहासिक यात्रा को देखूंगा।
गुड लक, ध्रुव।
थैंक्यू, डॉक्टर साहब, थैंक्यू।

काउंट डाउन जारी था-
...63...62...61... यान के उड़ने में 60 सेकंड हैं।...
...यानी एक मिनट! आल इंजिन स्टार्ट!
रॉकेट के इंजन स्टार्ट हो गए। धुएं के बादलों ने यान को घेरना शुरू कर दिया-
59...58...57...56... 55...54...53...52...
...3...2...1... लिफ्ट ऑफ!
रॉकेट ने धरती की सतह छोड़ दी-
सारे सिस्टम सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।
पचास सेकंड बाद यान से हमारा वीडियो संपर्क भी कायम हो जाएगा।
वीडियो स्क्रीन ऑन कर दो।
वीडियो स्क्रीन ऑन होने के कुछ ही सेकंडों बाद, उस पर ध्रुव का चेहरा उभर गया-
ओह! तुम तो उठ कर कुर्सी पर बैठ भी चुके हो ध्रुव!
कैसा महसूस कर रहे हो?
बहुत अच्छा डॉक्टर साहा!

इस समय तुम सतह से लगभग तीस किलोमीटर की ऊंचाई पर हो। थोड़ी ही देर में तुम्हारा रॉकेट पृथ्वी की कक्षा में आ जाएगा।...
... और फिर शुरू होगा तुम्हारी यात्रा का दूसरा चरण। पृथ्वी की कक्षा से 'स्पेस सर्विस स्टेशन' तक की यात्रा। वहां से...
डॉक्टर साहा! डॉक्टर साहा!
क्या हुआ, ध्रुव?
डेंजर-सिग्नल जल रहा है।
डॉक्टर साहा! रॉकेट अपने पथ से भटक गया है। वापस घूम रहा है।...
...यह... यह तो पृथ्वी की तरफ गिर रहा है।
रॉकेट तेजी से पृथ्वी की सतह की तरफ बढ़ा। और पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही, हवा की रगड़ से, रॉकेट की ऊपरी सतह गर्म होकर लाल होने लगी-

पृथ्वी की सतह तक पहुंच पाने से बहुत पहले ही रॉकेट में लगी आग के कारण-
रॉकेट बम की तरह फट चुका था-
कड़ड़.ड़.ड़.ड़.ड़.बूमम
कंट्रोल-सेंटर में कुछ पलों तक मौत का-सा सन्नाटा छाया रहा-
और फिर डॉक्टर साहा की कड़कती आवाज गूंजी-
रॉकेट गिर गया। मेरा प्रोजेक्ट असफल हो गया। नहीं। यह नहीं हो सकता। जरूर मेरे रॉकेट के साथ किसी ने छेड़खानी करी है। मैं एक हाई पॉवर कमीशन बिठाऊंगा। इन्क्वायरी करूंगा।
?
ओह, ध्रुव। मैंने तुमको मौत के मुंह में भेज दिया। यह क्या किया मैंने!
धरती ने आज अपना एक लाल खो दिया।
सुबक!
दूरदर्शन पर रॉकेट की उड़ान का सीधा प्रसारण देख रहे दर्शक भी अपने को संभाल नहीं सके-
ओह! मेरा बेटा ध्रुव! क्या तेरा मेरा साथ इतने ही दिन का था?
मम्मी! भइया उस रॉकेट में क्यों गया? क्यों गया? बोलो न!

राजनगर पूरी तरह से शोक में डूब गया-
लेकिन राजनगर के कई हिस्सों में ठहाके भी गूंज रहे थे-
हा हा हा! देखा, वेंकट! कितनी सफाई से सारा काम हो गया...
रॉकेट में लगाने वाले आधे से भी ज्यादा पुर्जों के पैसे बचाकर हम अरबपति बन गए हैं। और सबसे मज़े की बात तो यह है कि हमारे खिलाफ सारे सबूत नष्ट हो चुके हैं।
और अब कभी खुलवा भी नहीं पाएगा। क्योंकि उसकी खुद की जुबान ही हमेशा के लिए बंद हो चुकी है।
लेकिन मेरे मरने से तुम्हारी जुबान काफी तेजी से चल रही है।
कौन है वे?
ध्रुव! ध्रुव! तुम... तुम तो मर चुके हो! यह तुम नहीं हो सकते!
जब ध्रुव ने मोल को पकड़ लिया था, तो मैं थोड़ा सा डर गया था। लेकिन ध्रुव मोल की जुबान खुलवा नहीं पाया...
अगर मैंने तुम्हारे रॉकेट पर उड़ान भरी होती, तो मैं जरूर मर चुका होता।

लेकिन मैंने तुम्हारे रॉकेट पर तो उड़ान भरी ही नहीं साहा
उड़ान नहीं भरी! यह कैसे हो सकता है! मैं खुद तुमको रॉकेट में बैठाकर आया था।...
अंतरिक्ष में नहीं। तुमको याद होगा कि रॉकेट उड़ने के एक मिनट पहले इंजन स्टार्ट कर दिए गए थे। चारों तरफ धुआं ही धुआं हो गया था।
मैं उसी धुएं की आड़ में रॉकेट उड़ने के पचास सेकेंड पहले रॉकेट से बाहर आकर एक गुप्त स्थान पर चला आया था।
उसके बाद वीडियो पर हम सब लोग, तुमको रॉकेट के अन्दर बैठे हुए ही देख रहे थे।
तो क्या तुम अंतरिक्ष से रॉकेट से बाहर निकल गए?
और वह गुप्त स्थान था टार का दुर्घटनाग्रस्त अंतरिक्ष यान।
त...तो वीडियो पर हम लोग तुमको रॉकेट के अंदर बैठा हुआ कैसे देख रहे थे?
...जो तुम्हारे कंप्यूटर पर ही बनाया गया था, और जिसके आधार पर इस असली रॉकेट को हूबहू वैसा ही बनाया गया।
उस वीडियो प्रसारण में मुझे उन 3-D डिजाइनों के साथ मिक्स करके ऐसा आभास दिया गया था मानो मैं रॉकेट में ही बैठा हुआ हूं।
ये प्रसारण और मिक्सिंग, सिर्फ टार की स्पेस शिप के अत्याधुनिक सिस्टमों द्वारा ही संभव हो पाई।
पर...पर उन 3-D डिजाइनों की फ्लापी तुम्हारे पास आई कैसे?
वे फ्लॉपी ध्रुव को लाकर मैंने दी थी साहा!
वे वीडियो सिग्नल रॉकेट से नहीं, बल्कि कहीं और से भेजे जा रहे थे, वेंकट।
और उस प्रसारण में मैं तो असली था, लेकिन मेरे पीछे के दृश्य, यानी रॉकेट के अन्दर का सीन, कंप्यूटर पर बनाया हुआ वह 3-D डिजाइन था...
नास्त्रेदमस! तू...तो तू है फ्लॉपी चोर!

तुम्हारे चेहरे से नकाब उतारने के लिए अगर मुझे रिजर्व बैंक में भी चोरी करनी पड़ती तो मैं वह भी करता साहा!
रॉकेट पुर्जों की चोरी के बारे में मुझे बहुत पहले पता चल चुका था साहा। मैं चाहता तो तुमको पहले भी पकड़ सकता था।...
...लेकिन तब तुम या तो अपनी गलती को सुधार लेते।...
...और या फिर अपना दोष किसी और के माथे पर मढ़ देते।
इसीलिए पहले मैंने तुम्हारे बचने के रास्तों को बन्द किया और फिर तुमको इन पैसों के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया।
अब तुम लोग बचकर कहीं नहीं जा सकते साहा और बैंकटराजू!
गलत, ध्रुव!
अब तुम लोग बचकर कहीं नहीं जा सकते!
तुम्हारी मौत रॉकेट के हाथों नहीं, मेरे हाथों लिखी थी।
लेकिन ट्रिगर दबने के पहले ही नास्त्रेदमस हरकत में आ गया-
तुम लोग खामख्वाह ही गर्म हो रहे हो। मैं ठंडा होने में तुम दोनों की थोड़ी सी मदद कर देता हूं। बुध ग्रह की शीत तरंगों के द्वारा!
शाबाश, नास्त्रेदमस! अब ये दोनों जब जागेंगे तो जेल में होंगे।

Vinod Yadav

★ पढ़ें-